

श्वताधारण EXTRAORDINARY

भाग I--सध्य 1 PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

Rio 219]

नई विल्ली, मंगलवार, सित्रस्थर 10, 1974/भाष 19, 1896

No. 219]

NEW DELHI, TUES DAY, SEPTEMBER 10, 1974/BHADRA 19, 1896

इस भाग में भिन्न पृथ्ड संख्या दी जाती है जिससे कि यह घलग संकलन के रूप में रखा जा सके । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

LOK SABHA NOTIFICATION

New Delhi, the 10th September 1974

No. 46/3/CI/74.—The following paragraph published in the Lok Sabha Bulletin—Part II, dated the 9th September, 1974, is hereby published for general information:—
"No. 1933

Amendments to Directions by the Speaker under the Rules of Procedure of Lok Sabha

In pursuance of rule 389 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha (Fifth Edition), the Speaker has made the following amendments to the Directions:—

DIRECTION 55

1. In Direction 55, after clause (1), the following new clause shall be inserted, namely:—

(1A) The provisions of clause (1) shall also mutatis mutandis apply to the proceedings of meetings held by the Speaker with the Leaders of Parties and Groups in Lok Sabha.'

DIRECTION 115

- 2. In Direction 115, after clause (5), the following new clause shall be added, namely:—
 - '(6) The item regarding statement to be made by the member and the statement to be made by the Minister in reply thereto shall not be put down in the list of business unless copies thereof have been submitted in writing to the Speaker sufficiently in advance and the Speaker has approved them. Words, phrases and expressions which are not in the statements as approved by the Speaker, if spoken, shall not form part of the proceedings of the House.'

S. L. SHAKDHER.

Secretary-General "

लोक सभा

प्रधि । चना

नई विल्ली, 10 सितम्बर, 1974

सं 46/3/सी शाई 0/74. — लोक सभा समाचार भाग 3, दिनांक 9 सितम्बर, 1974 में प्रकाशित निम्नलिखित पैराग्राफ एतद्द्वारा सामत्य जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है।

"मं**ख्या** 1933

लोक सभा के प्रक्रिया नियमी के सबीन सम्यक्ष द्वारा निवेदों में संदर्भिन

लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमों (पाचवा संस्करण) के नियम 389 के प्रनुसरण में प्रध्यक्ष ने निदेशों में मिम्नलिखित संशोधन किये हैं:——

निवेश 55

- निदेश 55 में खण्ड (1) के पश्चात् निम्नलिखित नया खण्ड ग्रन्त:स्थापित किया जाये, भर्यात:—
 - "(1क) खाष्ट्र (1) के उपदाध आवस्यक परिवर्तनों सहित उन बैठकों की कार्यवाहियों के सम्बन्ध में भी लागू होंगे जो अध्यक्ष द्वारा लोक सभा के दलों धौर भुपों के नेताओं के साथ की जायेंगी।"

निवेश 115

- 2. निदेश 115 में खण्ड (5) के पश्चात् निम : शिखित नया खण्ड जोड़ा जाये, अर्थात .---
 - "(6) सदस्य द्वारा विये गये वक्तव्य भीर प्रत्युक्तर में मंत्री द्वारा दिये गये वक्तव्य सम्बन्धी मद को उस समय तक कार्य सूची में सम्मिलित नहीं किया जायेगा जब तक उन वक्तव्यों की लिखित प्रतियां पर्याप्त समय पूर्व भ्रष्ट्यक्ष को न दी जायें भीर श्रष्ट्यक्ष जनका अनुमोदन न कर दें। यदि ऐसे शब्द, वाक्यांश श्रीर श्रिष्ट्यक्तियां प्रयोग की जाती हैं जो श्रष्ट्यक्ष द्वारा श्रनुमोदित वक्तव्यों में नहीं हैं, तो ये सभा की कार्यवाहियों का भाग नहीं होंगी।"

श्यामलाल शक्तश्रर, महासचिव ।